

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के अस्पताल प्रबंधन एवं हॉस्पिस अध्ययन विभाग तथा पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग ने भारत में चिकित्सा पर्यटन पर एक वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया

नई दिल्ली, 18 नवंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रबंधन अध्ययन संकाय ने पिछले सप्ताह भारत में चिकित्सा पर्यटन पर वार्षिक सम्मेलन (ACMTI 2025) का आयोजन किया, जिसका शीर्षक "होलिस्टिक हीलिंग एंड क्वालिटी हेल्थकेयर: डेस्टिनेशन इंडिया फॉर ग्लोबल वेलनेस" था। इस कार्यक्रम में प्रमुख शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं ने वैश्विक चिकित्सा पर्यटन और स्वास्थ्य इको सिस्टम में भारत की बढ़ती प्रमुखता पर विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन का उद्घाटन जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने मुख्य अतिथि, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि, बेनेट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) राज सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में किया। उद्घाटन सत्र में स्वास्थ्य सेवा वितरण में नवाचार, सहयोग और समग्र उपचार के एकीकरण पर ज़ोर देते हुए व्यावहारिक वक्तव्य दिये गए।

प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार गुप्ता, डीन, एफएमएस और प्रो. (डॉ.) सारा हुसैन, विभागाध्यक्ष, डीटीएम ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया, जिसके बाद डॉ. भूपिंदर चौधरी, विभागाध्यक्ष, डीएमएस ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. पूजा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, डीएमएस द्वारा संचालित पैनल चर्चा में श्री शशांक शेखर (महाप्रबंधक, एएमएसपीएल), डॉ. शिखा गुप्ता (आई-क्लिनक्स हॉस्पिटल्स), प्रो. (डॉ.) अमीना सुल्तान (दंत चिकित्सा संकाय, जेएमआई), और प्रो. (डॉ.) रजनीश शुक्ला (एमटी विश्वविद्यालय) जैसे प्रतिष्ठित पैनलिस्ट शामिल थे। चर्चा में डिजिटल परिवर्तन, सार्वजनिक-निजी भागीदारी और स्वास्थ्य सेवा में युवाओं के नेतृत्व वाले नवाचार पर चर्चा की गई।

दोपहर में, स्वास्थ्य सेवा वितरण, पर्यटन नवाचार, डिजिटल स्वास्थ्य और कल्याण नीति के दृष्टिकोणों को कवर करने वाले विषयगत ट्रैक के अंतर्गत चार समानांतर तकनीकी सत्र, तीन ऑफ़लाइन और एक ऑनलाइन, आयोजित किए गए। सम्मेलन में 96 शोधपत्र प्रस्तुतियाँ और 130 प्रतिभागी शामिल हुए, जो पूरे भारत से सुदृढ़ शैक्षणिक भागीदारी को दर्शाता है।

प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में समापन सत्र के दौरान, सम्मेलन के परिणामों का सारांश प्रस्तुत किया गया और प्रतिभागियों को उनके विद्वत्तापूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। नवाचार, प्रासंगिकता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने वाले उत्कृष्ट शोध प्रस्तुतियों को मान्यता देने के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कारों की घोषणा की गई।

कार्यक्रम का समापन डॉ. भूपिंदर चौधरी, विभागाध्यक्ष, डीएमएस द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए संकाय सदस्यों, छात्र स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की।

सम्मेलन ने समग्र और गुणवत्ता-संचालित स्वास्थ्य सेवा के लिए एक अग्रणी गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि की, और देश के चिकित्सा पर्यटन परिदृश्य को मजबूत करने के लिए शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी